तिलक - कामोद

थाट - खमाज समय - रात्रि का द्वितीय प्रहर
वादी - ग संवादी - नी
वर्ज्य - ध आरोह में जाति - षाडव / संपूर्ण

आरोह - सा रे ग सा रे म प ध म प सां
अवरोह - सां प ध म ग सा रे ग सा नी़
पकड़ - प़ नी़ सा रे ग सा रे प म ग सा रे ग सा नी़

सरगम गीत

नी़ प़ नी़ सा	रे ग नी़ सा	रे ग रे प	म ग नी़ सा
रे म प ध	म प सां सां	प ध म ग	रे ग नी़ सा
0	3	x	2
रे म प नी	सां नी सां -	रें गं रें पं	मं गं नी सां
प नी सां रें	सां प ध म	ग सा रे प	म ग नी़ सा
0	3	x	2

इस राग में दो निषाद आते हैं। आरोह में ध वर्जित है। ग भी अप्रत्यक्ष लिया जाता है। इस राग में अंतरे में पध म प सां, म प नी सां इस प्रकार शुरुआत की जाती है। "रेप म ग सा नी़" इस स्वर संगति से राग व्यक्त होता है। भक्तियुक्त श्रृंगार रस इसमें विशेष शोभा देता है। राग की जाति वक्र है।

छोटा ख्याल

तिलक - कामोद

स्थाई :- नीर भरन कैसे जाऊँ सखी अब
डगर चलत मोसे करत रार अब ॥

रे ग रे प	म ग नी सा	प - नी सा	रे ग नी सा
नी - र भ	र न कैसे	जा - ऊँ स	खी - अ ब
रे म प ध	म प सां सां	प ध म ग रे	ग रे नी सा
ड ग र च	ल त मो से	क र त रा	- र अ ब

आलाप :-

1)	सा - - -	नी - - -	प - - -	नी - सा -
2)	नी - - -	सा - - -	रे म प ध	म ग नी सा
3)	रे म प नी	सां - - -	सां प ध म	ग रे नी सा
4)	प नी सां रें	म ग नी सां	पनी सांरें सांनी धप	सांनी धप मग रेसा

बोलतान :-

नी - र भ	र न कैसे	नीसा रेम पनी सांरें	सांनी धप मग रेसा
		जा - - ऊँ - -	स - खी - अ - ब -
नीसा रेम पनी धप	मग रेसा नीसा	सां - - प -	पनी धप मग रेस
नी - - र - भ -	र - न - कैसे	जा - - ऊँ -	स - खी - अ - ब -
		तान	नीप नीसा रेग नीसा	रेग रेप मग नीसा
			पम रेम पध मप सांसां	पध मग रेग नीसा
			पनी सांरें सांनी धप	सांनी धप मग रेस

तान -

नीसा रेम पनी धप	धप मग रेसा नीसा	नीसां रेंमं गंरें सां -	धप धप मग रेसा
		पनी सांरें सांनी धप	

0	3	x	2

छोटा ख्याल

तिलक कामोद

अंतरा :- ऐसो चंचल चपल नटखट हट मन
तन काहु की बात बिनती करत मैं
गई रे हार अब

म म प प	नी नी नी सां	सां नी नी सां	सां सां नी सां
रे सो चं च	ल च प ल	न ट ख ट	ह ट म न
रे रे सां रें	ग नी सां सां	प नी सां रें	नी ध प -
त न का हु	की बा - त	बि न ती क	र त मैं -
प्ध प्ध म गरे	गरे रे नी सा	रे ग रे प	म ग नी सा
ग - ई - रे हा -	- - र अ ब	नी - र भ	र न कैं से

आलाप -

(1) सां - - -	प - - -	ध म ग रे	रेम पनी सां -
(2) रें गं रें पं	मं गं नी सां	पनी सांरें सानीधप	सांनी धप मग रेसा

तानें -

(1) सांनीधप मग रेसा	नीसा रेम प मप	सांसांधप मप धप	पध मग रेसा नीसा
(2) रेम पनीसांरें सांनी	सांनीधप मग रेसा	रेम पध मप सांसां	पध मग रेसा नीस
X	2	0	3

ध्रुपद

तिलक - कामोद ताल - चौताल

स्थाई - राजत श्री रामचंद्र, सीतासती अनुज संग
परम विमल आनंद कंद, करन दुश हरन कंद।

अंतरा : दलन कियो दानव दल, लंकाधिप जानत बल
अरीन, प्रबल कोमल चित, जन मन नभ वसत चंद ॥

सां -	सां सां	सां प	प ध	म गरे	ग सा
रा -	ज त	श्री -	रा -	म चं-	- द
x	0	2	0	3	4
नी प	नी सा	रे ग	सा रे	म गरे	ग सा
श्री -	ता -	स ती	अ नु	ज सं-	- ग
x	0	2	0	3	4
सा रे	म म	प प	प प्ध	ध म	प प
प र	म वि	म ल	आ नं-	द कं	- द
x	0	2	0	3	4
प नी	सां रें	गं सां	प ध	म गरे	ग सा
क र	त द	श श	ह र	त फं-	- द
x	0	2	0	3	4
म म	प नी	सां -	नी -	सां नी	सां सां
द ल	न कि	यो -	दा -	न व	द ल
x	0	2	0	3	4
नी सां	रें गंसां	रें मं	गंरें गं	सां नी	सां सां
लं -	का ध -	धि प	ज्ञा- -	न त	ब ल
x	0	2	0	3	4
सां सां	सां सां	सां प	प ध	म म	प प
अ री	न प्र	ब ल	को -	म ल	चि त
x	0	2	0	3	4
सा रे	म प	सां प	प ध	म गरे	ग सा
ज न	म न	न भ	व स	त चं-	- द
x	0	2	0	3	4